८.चमत्कार को नमस्कार

अंग्रेजों के जमाने की बात है
ऐ! तुम किसको हाथ जोरता ?
सरकार! यह तुलसी है, भारत में इसको माँ मानते हैं।

बकवास। ये लो टुमारी माटा। हा..हा..हा
इस घमंडी को सबक सिखाना होगा।

रास्ते में एक झाड़ को देख
ऐ ये क्या करटा है ?
सरकार! यह बाप है। इनको साष्टांग प्रणाम करते हैं।

तुम इंडियन एकडम बेवकूफ। इसको भी उखाड़ता हूँ।
अब आयेगी अक्ल।

वह खुजली का झाड़ था। उसे हाथ लगाते ही सारे शरीर में खुजली फैल गई।

ओह बाप, माफ करो।
साहब! इस बाप से तो एक दूसरी माँ, गौ माता ही बचा सकती है।

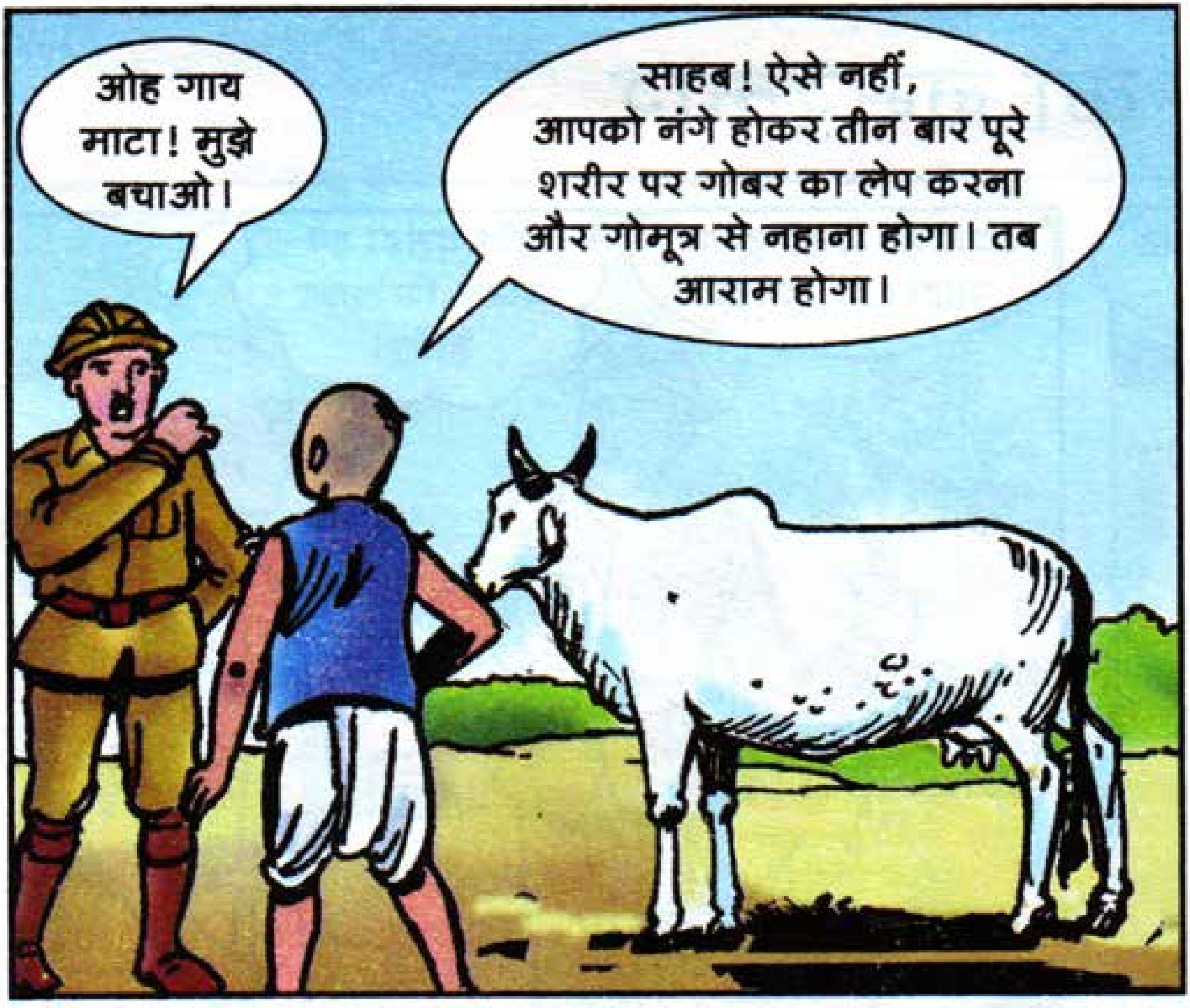
ओह गाय माटा! मुझे बचाओ।
साहब! ऐसे नहीं, आपको नंगे होकर तीन बार पूरे शरीर पर गोबर का लेप करना और गोमूत्र से नहाना होगा। तब आराम होगा।

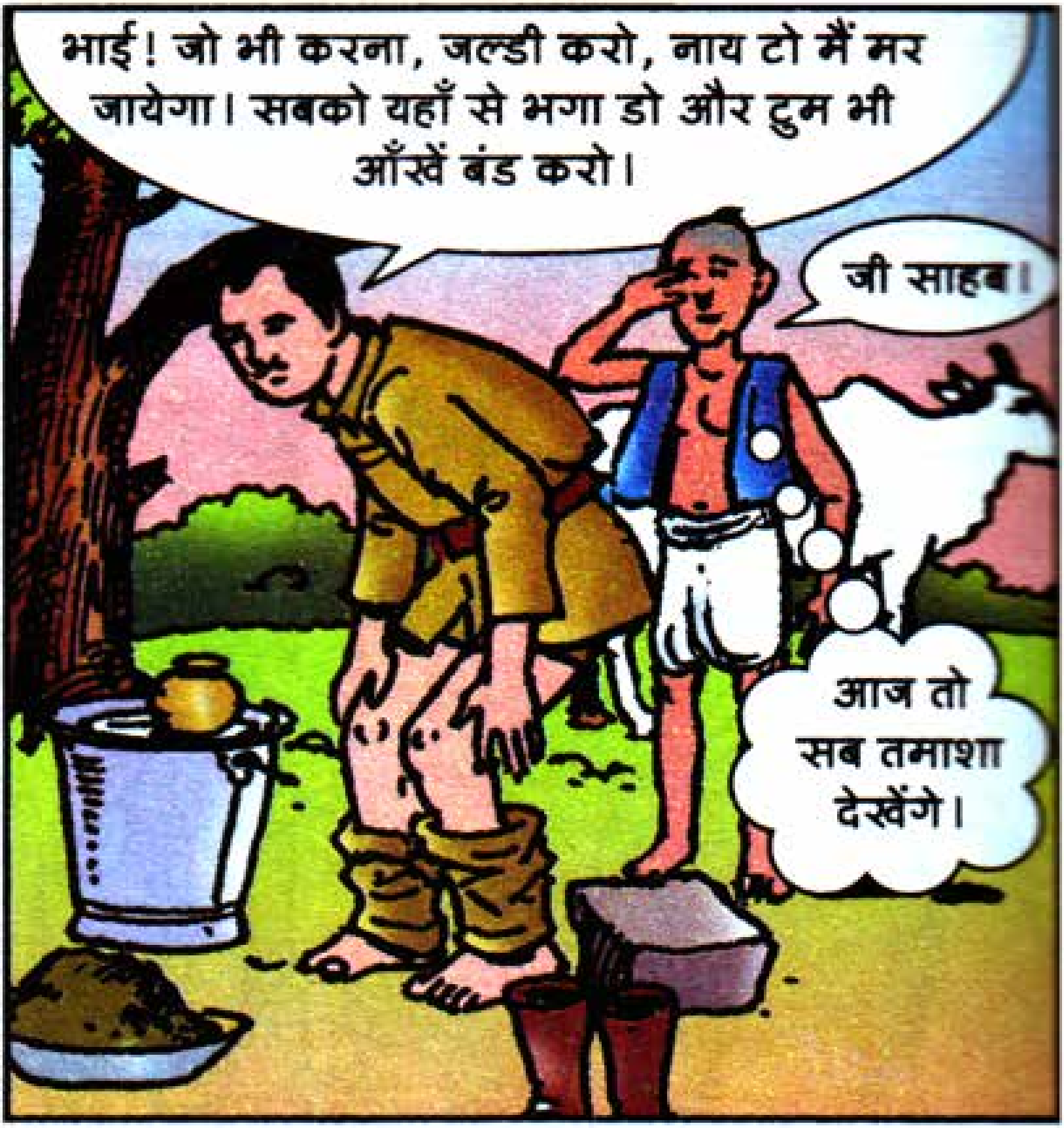
भाई! जो भी करना, जल्डी करो, नाय टो मैं मर जायेगा। सबको यहाँ से भगा डो और टुम भी आँखें बंड करो।
जी साहब।
आज तो सब तमाशा देखेंगे।

जय गौ माटा। बचाओ गौ माटा। सॉरी तुलसी माटा।

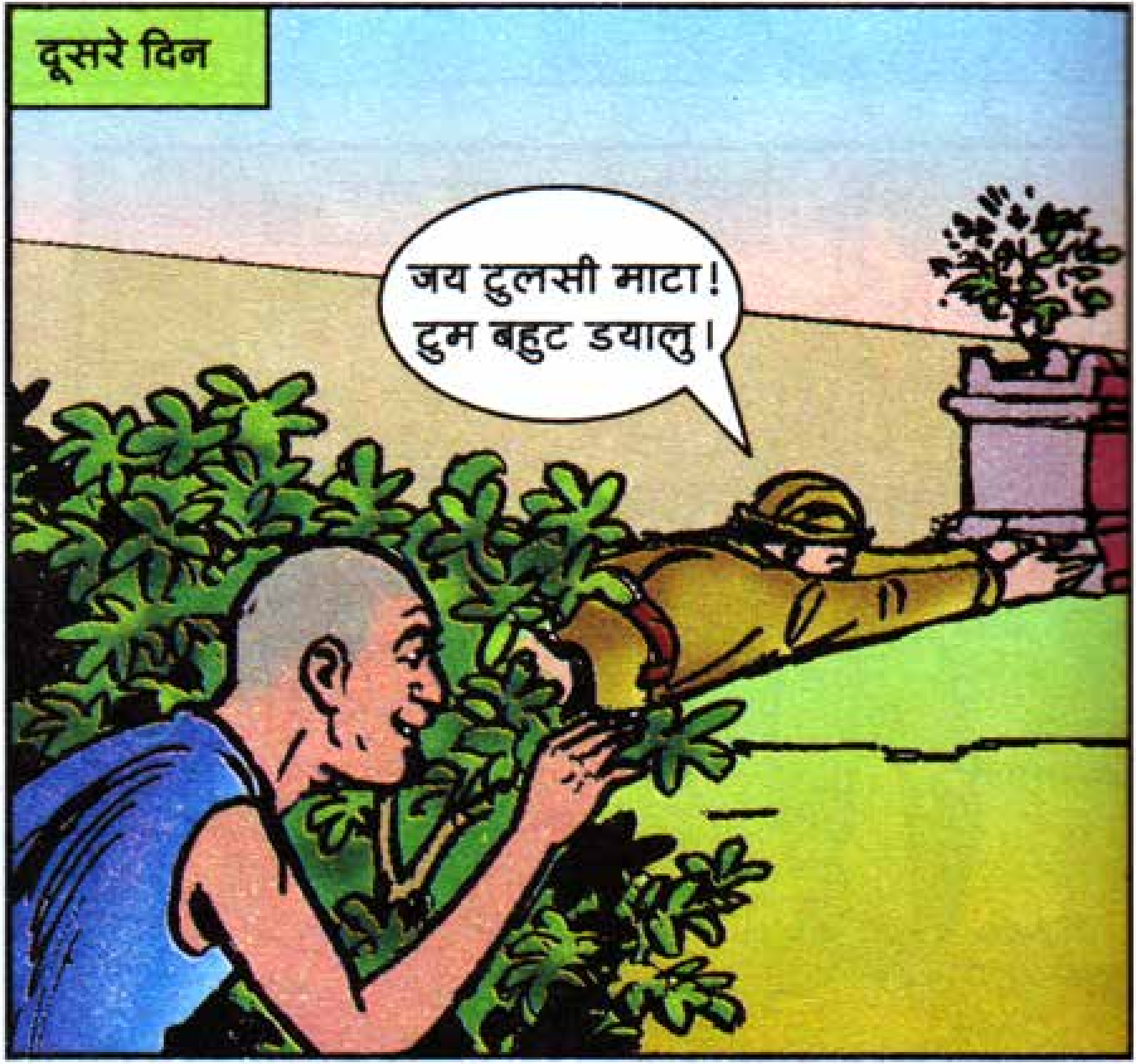
दूसरे दिन
जय तुलसी माटा!
तुम बहुट डयालु।

आदर्श गोसेवा एवं अनुसंधान प्रकल्प, अकोला (महाराष्ट्र)

तोष्णीवाल धर्मशाला, महात्मा गांधी रोड, अकोला. दूर.०७२४ - २४२५६७३

- गोबर-गोमूत्र से विभिन्न उत्पादों कार्माण करनेवाली भारत की पहली गोशाला
- जिले के ८६५ गाँवों में ९,००० कार्यकर्ता खड़ी करनेवाली आदर्श गोशाला
- उत्पादों के निर्माण का नि:शुल्क प्रशिक्षण
- पूरे देश में गाय का दूध भैंस के दूध से सस्ता बिकता है। इस गोशाला ने गाय का महत्त्व समाज को समझाया, जिससे गाय का दूध भैंस के दूध से अधिक दाम पर बिक रहा है। फलस्वरूप बहुत से लोग गोपालन के लिए प्रेरित हुए।

संत श्री आसाराम गोशाला, निवाई, जयपुर (राजस्थान)

- धूपबत्ती निर्माण से बने १५० परिवार स्वावलंबी